प्रश्न पेपर ३५ हैम. सं. प्रवेशिका मध्यमा पाठ 1 थी 15

प्र.1 नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो गमे ते १० — ५० मार्क्स

(१) बीजा त्रीजा गण सिवाय प्रथमना ४ कालमां विकरण प्रत्यय क्यारे थतो नथी ते जणावी कया-२ वित् शित् प्रत्यय पर छतां गुण थतो नथी.

(२) प्रथमा पाठ २५ नो नियम लगाड्या विना फ नो प क्यारे थाय ते जणावी पाठ ६ नि. ५ मां आवता स्वरान्त धातु लखी ब्रू धातुनो कर्तरि-कर्मणी प्रयोग लखो.

(३) शुं ञित्-णित् सिवायना प्रत्यय पर छतां वृद्धि थाय? क्यारे? दृष्टान्त पूर्वक लखी. अनियमित १ला कालनु कर्तरि कृदन्त सार्थ लखो.

(४) क्य पर छतां पूर्वना स्वरनो लोप क्यां थाय ते जणावी. विद् धातुना ४ कालना कुल रूपो केटला थाय?

(५) स्कन्द: मां न नो ण केम न थयो? ते जणावी णिङ्, अच्, घञ्, अने तृच् प्रत्ययमां इत् ना प्रयोजनो सदृष्टान्त समजावो

(६) पाठ १३ नि १३ ना कोना अपवाद भूत छे. केवी रीते ते लखी कया धातु पछी क्यारे-२ इ-ई आवे ते सदृष्टान्त लखो

(७) पाठ ४ नि २ना अपवाद भूत नियम लखो. ते नियम न होय तो थता अशुद्ध रूपो लखो

(८) सन्ध्यक्षरना लोपनो नियम लखी. द्वित्व थया बाद दीर्घ स्वरवाला धातुओ लखो

(९) २ जा गणना द्विकर्मक धातुओ लखी. चारेय कालना स्वरादि-स्वरान्त तथा स्वरादि-व्यजनांत प्रत्ययो केटला

(१०) कर्म माटे बन्ने स्वर अक्ष सरखा होय एवो शब्द लखी ङित् प्रत्यय पर छतां थता गुणनो नियम साध्या. लखो

(११) अनुनासिकनो लोप न थाय एवा द्, स्, अने भ् अंतवाला धातु केटला? ते जणावी पाठ ३-नि ४ क्यां नथी लागतो - केम?

प्रश्न नं.२ नीचेना रूपो ओळखावी - साधनिका करी अर्थ लखो गमे ते ४ — १० मार्क्स

(१) प्रोच्छेद्यानि (२) निरवे: (३) आवोचिद्धंपति

(४) निरौचये (वच् धातु विना) (५) उड्डीयमानया

प्र.३(अ) नीचेना धातुना ४ कालना मांग्या प्रमाणे कर्तरि रूपो लखो — १० मार्क्स

(१) उद्+निस्+ऋ ग.३ ह्य-आज्ञार्थ एक. बहु. गमे ते 5

(२) दुस्+उद्+मा ग.३ ५ काल १ पु.

(३) प्र+उद्+ष्णु - व. द्य. १, ३ पु.

(४) निस्+रु - विध्यर्थ सिवाय ३ काल एकवचन

(५) उद्+तृह् - विध्यर्थ विना एक.बहु. (६) परि+उद्+ई - व.ह्य. १-३ पु.

(ब) नीचेना धातुओना मांग्या प्रमाणे कर्माणी रूपो लखो । गमे ते - 5 10 मार्क्स

(1) परि + छद् - 4 काल 1 पु. (2) वि + वे - विध्यर्थ विना 3 काल 1-3 पु.

(3) अति + शी " " (4) नि + उद् + इ - 4 काल एकव. बहु.

(5) उद् + श्वि " 3 पु. (6) प्रति + अय् - " 1 पु.

(क) नीचेना धातुना कृदन्तना रूपो लखो । गमे ते - 2 5 मार्क्स

(1) आ + हन् - व. कृदन्त कर्त्तरि त्रणे लिंग 1 थी 3 विभक्ति

(2) अप + वश् " " पु. स्त्री. एकवचन

(3) दुस् + दरिद्रा " कर्मणि पु. 1 थी 3 वि., स्त्री. 6 थी 8 वि.

प्र. 4 नीचेनी खाली जगा पूरो । गमे ते - 5 5 मार्क्स

(1) अस् धातुना ——— रूपोमां अ नो लोप थाय छे।

(2) ब्रू " ——— " ह्रस्व उ आवे छे।

(3) आधि + इ ना ——— " य मां दीर्घस्वर आवे छे।

(4) नामिस्वर विनाना उपसर्गो ——— छे।

(5) शॄ धातु ——— गणनो छे।

(6) हु धातुना ——— कर्त्तरि रूपोमां गुण थाय छे।

प्र. 5 (अ) नीचेना वाक्योनो अन्वय करी अर्थ लखो । 7½ मार्क्स

(1) गुर अधाध्यया अहमध्ययनँव्याकरणस्येत्यपृच्छ्यताचार्यः ।

(2) ओन्नोद्यमानर्षिरैतित्वौच्यताधीयान शिष्यस्त्वञ्ज्ञाटिव्यतस्तत्राय ।

(3) आगांसीवानार्त्तस्यागांसीक्षित्वेशेनाम्भोध्यम्भस्याप्यतानागसः ।

(ब) संस्कृतना सुंदर अभ्यास माटे अभ्यासकोए शुं शुं करवुं जोइये ?
ते 6/7 लीटीमां संस्कृतमां ससान्धि लखो । 7½ मार्क्स

जवाब- प्र. 1 कर्माणी तथा भावे प्रयोग तथा पाठ 15 अम्. ऐव- कुल 95 मार्क्स
आवैव, आमहैम (2) द्विरुक्तिमां (3) 11/3 - आसीन 5 शुध्यादिना
(4) पृ. 63 टिप्पणी - 57 रूपो (7) 11/10, 14/4-15 100
(8) 3/2, 15/8 (10) विधी (11) कुर्वः कुर्मः
प्र. 2 (1) प्र + उद् + छो विध्य. कृदन्त न. बहु. (2) निर् + आ + विद् - ह्यस्तनी
(3) आ + अव + उद् + शिंष स. एकव. (4) निस् + ब्रू - "
प्र. 4 (1) 19 (2) 23 (3) 26 (4) 6 (5) 9 मो तथा 10 मो टिप्पणी
(6) 11 रूपो